हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

तापमान

अधिकतम 29 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .0 डिग्री

11 राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी गतिविधियों का हुआ आयोजन

12 पुलिस लाइन में जवानों की परेड का आयोजन सराहनीय कार्य करने पर बारह पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

dk Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
प्लॉट ही प्लॉट
मात्र 16000/- से 20000/- प्रति वर्ग गज से शुरु
DK Yadav
(Real Estate Developer's)
9467141575
Website : www.dkrealestate.co.in Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate

खबर संक्षेप

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल

बावल। गांव रूध में एक तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पिता-पुत्र सड़क पर गिर गए। टक्कर में युवक को काफी चोटें आई। गांव भानोत जिला खैरथल राजस्थान निवासी राजबीर ने बावल थाना पुलिस को बताया कि 1 मार्च को वह अपने बेटे विक्रम के साथ अपनी बहन के घर कालड़ावास गया था। वापस आते समय जब वे रुध गांव के चौक पर पहुंचे तो सामने से आ रही एक गाड़ी ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे राजबीर दूर जा गिरा और विक्रम सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद गाड़ी चालक मौके से भाग गया। राजबीर ने आसपास के लोगों की मदद से विक्रम को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जिसे ज्यादा चोटें लगने के कारण हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने अज्ञात गाड़ी चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

ब्रेजा की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवक घायल

धारूहेड़ा। दिल्ली रोड स्थित मसानी के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी पर सवार दो युवक घायल हो गए। गांव मसानी निवासी सुनील कुमार ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि 26 फरवरी शाम को उसका दोस्त मनीष कुमार गां मसानी व कुलदीप गांव जीतपुरा उसकी दुकान से घर का सामान लेकर गये थे। जब वे मसानी ओर यू-टर्न ले रहे थे तो एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। आवाज सुनते ही वह दुकान से भागा तो दोनो घायल हो गए थे। उसने दोनों का ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

अचानक ब्रेक लेने से बस से गिरा युवक घायल

रेवाड़ी। धारूहेड़ा से रेवाड़ी मार्ग पर बस से गिरने के कारण युवक घायल हो गया। खलियावास मोहल्ला धारूहेड़ा निवासी संजय ने मॉडल टाउन थाना पुलिस को बताया कि 1 मार्च को उसका भाई राजीव किसी काम काम से बस में रेवाड़ी जा रहा था। दोपहर को करीब 1:20 बजे उसके भाई के मोबाइल से उसके पास कॉल आई, जिस पर गांव औलांत निवासी बलवान ने बताया कि राजीव का एक्सीडेंट हो गया और उसके सिर में चोट है। सूचना मिलने पर वह ट्रामा सेंटर में पहुंचा जहां से राजीव को हायर सेटर के लिए रेफर कर दिया गया। बलवान ने बताया कि वह बस में कंडक्टर है। ड्राइवर तेज रफ्तार से बस चला रहा था। बालाजी मार्केट के पास बस के ब्रेक लेने से अगली खिड़की के पास बैठा राजीव नीचे जा गिरा और उसे सिर में गंभीर चोटें आई। पुलिस ने बस चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

बीएमजी मॉल के पास से बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। सरकुलर रोड स्थित बीएमजी मॉल के पास की गली से व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। मोहल्ला कायस्थवाड़ा निवासी सतीश कुमार ने जगन गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 फरवरी को वह बीएमजी मॉल में शॉपिंग करने आया था तथा बाइक वाली गली में खडी करके मॉल के अंदर चला गया। जब कुछ देर बाद वह वापस आया तो वहां से बाइक गायब थी।

खराब हुई फसलों के मुआवजे को लेकर किसान संगठनों का प्रदर्शन शुरू

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खुलने से किसानों में रोष नहीं दे पा रहे ओलावृष्टि से खराब फसलों का ब्योरा

■ मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिले के रेवाड़ी व खोल क्षेत्र में 28 फरवरी को हुई ओलावृष्टि से गेंहू व सरसों की फसल खराब हो गई थी, लेकिन अभी तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के नहीं खुलने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को कहना है कि खराब फसलों की सूचना कैसे दर्ज कराएं, क्योंकि सरकार को पोर्टल खुलने पर खराब फसल का ब्योरा दिया जा सकता है। जिला राजस्व अधिकारी प्रदीप देशवाल का कहना है कि पोर्टल में तकनीकी दिक्कत थी। मंगलवार को पोर्टल खुलने की पूरी उम्मीद है, जिसके बाद किसान अपनी खराब फसल का ब्योरा दर्ज करा सकते है तथा जिन किसानों ने फसल बीमा कराया हुआ है। उनको प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल पर खराब फसलों के मआवजे के लिए आवेदन करना है। सोमवार को काफी किसान कृषि विभाग कार्यालय में चक्कर लगाते नजर आए, लेकिन पोर्टल नहीं खुलने से उन्हे वापस लौटना पड़ा। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन सहित क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने सोमवार को ओलावृष्टि से गेहूं, सरसों व सब्जी सहित खराब हुई फूलों की खेती के मुआवजा देने मांग को लेकर उप तहसील मनेठी में प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री व उपायुक्त के नाम तहसीलदार को ज्ञापन भी सौंपा। संगठन के सदस्यों ने कहा कि कुंड के आसपास के 40 गांवों सहित जिले में कई जगह ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। गेहूं, सरसों, फूलों एवं सब्जी की खेती शत प्रतिशत खराब हो गई है। सरकार 5 दिन के अंदर नुकसान का आकलन करके अप्रैल माह तक किसानों को मुआवजा दे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर खराब फसलों का आकलन करे और पीड़ित किसान की मौजूदगी में क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड कराए। किसानों को स्वयं क्षतिपूर्ति के झंझट से मुक्ति दिलाई जाए। उन्होंने खराब फसल की मुआवजा राशि 50 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से देने, पीड़ित किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलाने व उनके बिजली बिल माफ करने की मांग की। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की बजाय सरकार खुद मुआवजा दे। सरकार ने जल्द मांगों को नहीं माना तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन का नेतृत्व एम्स संघर्ष समिति मनेठी के अध्यक्ष कैलाश चंद, मास्टर लक्ष्मण सिंह, कर्नल राजेंद्र सिंह, ओमप्रकाश सैन व ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान रामकुमार निमोठ व अमर सिंह राजपुरा ने किया। इस मौके पर संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि हर गांव में पीड़ित किसानों के लिए गांव स्तर पर कमेटी बनाई जाए, क्योंकि जब प्राकृतिक आपदा आती है तो सरकार एवं अधिकारियों की ओर से विशेष गिरदावरी कराकर तुरंत मुआवजा की बात तो की जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद उसे भुला दिया जाता है। सरकार ने अभी तक 2023 वर्ष का मुआवजा तक नहीं दिया है। उन्होंने अप्रैल माह तक पीड़ित किसानों को मुआवजा देने की मांग की। इस मौके पर जितेंद्र सिंह रिटायर्ड, मुख्याध्यापक, बीडी यादव, ओमप्रकाश जैन, दिलबाग सिंह, प्रकाश नंबरदार, ईश्वर सिंह सैन, राजबीर नंबरदार, सुनील एडवोकेट, सत्यप्रकाश गोयल, मलखान सिंह, सुमेर सिंह, महेश ढाणी कोलाना, बलवंत पंच, हरिओम मास्टर, मास्टर दयाराम, डा. एचडी यादव, रमेश व बिल्लू चेयरमैन सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

रेवाड़ी। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते किसान संगठनों के सदस्य, डीआरओ को ज्ञापन सौंपते भाकियू चढ़ूनी की सदस्य। फोटो :हरिभूमि

भाकियू चढ़ूनी ने डीआरओ को सौंपा ज्ञापन

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की बैठक किसान भवन में हुई। वक्ताओं ने कहा कि 28 फरवरी को करीब 50 गांवों में ओलावृष्टि हुई थी, जिससे सौ प्रतिशत फसल का नुकसान हो गया है। दो महीने पहले भी जिले में ओलावृष्टि हुई थी, जिसका मुआवजा अभी तक नहीं मिला है। यूनियन प्रधान समय सिंह ने कहा कि पटवारी और सर्वे टीम जानबूझकर किसानों का नुकसान कर रही है, जहां 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है वहां पर आधा नुकसान दिखाया जा रहा हैं। यूनियन की ओर से डीआरओ प्रदीप देशवाल को ज्ञापन भी सौंपा गया और सर्वे में किसानों के नुकसान का सही आकलन करने की मांग की। यूनियन ने कहा कि 15 दिन के अंदर किसानों को नुकसान की भरपाई राशि दी जाए। उन्होंने सर्वे टीम के साथ भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के एक पदाधिकारी को साथ रखने की भी मांग की ताकि पटवारी सही ब्योरा दर्ज करें। इस मौके राजकुमार, मुन्नी बूढ़पुर, ममता यादव, अनूप यादव, पुरुषोत्तम, ओपी यादव, वेद जाडरा व जयपाल सहित कई किसान नेता मौजूद थे।

बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जगन गेट चौकी पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बिहार के जिला वैशाली के गांव कादिलपुर निवासी व मोहल्ला गुर्जरवाडा में किराये पर रहने वाले राकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई एक बाइक व एक स्कूटी को बरामद किया है। मोहल्ला कायस्थवाड़ा निवासी सतीश कुमार 27 फरवरी को बीएमजी मॉल में शॉपिंग के लिए गए थे तथा बाइक को बीएमजी मॉल के साथ वाली गली में खड़ी किया था। जब वह वापस आए तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक आरोपी राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई एक बाइक व एक स्कूटी को बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

■ एक बाइक व स्कूटी बरामद

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में बाइक चोरी का आरोपी। फोटो :हरिभूमि

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने मॉडल टाउन थाना क्षेत्र से एक स्कूटी तथा धारूहेड़ा थाना क्षेत्र से एक बाइक चोरी की दो अन्य वारदात को भी कबूल किया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

देसी कट्टे व पांच जिंदा रोंद के साथ एक काबू

बावल। बावल थाना पुलिस ने गांव मंगलेश्वर से एक युवक को देसी कट्टे व जिंदा रोंद के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव मंगलेश्वर निवासी गौरव के पास अवैध देसी कट्टे व जिंदा रौंद है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। युवक के घर की तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा व 5 जिंदा रौंद बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बावल थाना पुलिस ने 5.17 ग्राम स्मैक सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ आरोपियों से बरामद मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान के तहत जिला पुलिस एसपी डा. मयंक गुप्ता के निर्देश पर नशा तस्करों की धर पकड़ कर रही है। बावल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार की टीम ने 5.17 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव मंगलेश्वर निवासी अंकित, नरेंद्र व नितेश के रूप में हुई है। पुलिस को गत 2-3 मार्च की रात्रि को सूचना मिली कि अंकित निवासी गांव मंगलेश्वर नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का काम कर रहा है तथा गांव के मेन रोड पर स्मैक बेचने के लिए खड़ा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी को काबू कर लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से 5.17 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी अंकित ने बताया की उसने अपने गांव के तीन साथी नरेंद्र, नितेश व गौरव को पैसे देकर स्मैक बेचने के लिए लगाया हुआ है। पुलिस ने नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बावल थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों से बरामद मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करके आरोपी नरेंद्र व नितेश न्यायिक हिरासत में भेज दिया है तथा आरोपी अंकित को पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्करी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

डीएसपी ने नाहड़ चौकी का किया निरीक्षण पुलिस कर्मियों को दिए निर्देश

नाहड़। डीएसपी कोसली विद्यानंद ने सोमवार को नाहड़ चौकी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएसपी ने शिकायत रजिस्टर, अनुसंधान रिकॉर्ड व अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की। उन्होंने चौकी की साफ-सफाई व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। चौकी में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में पाए गए। उन्होंने पुलिस चौकी स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास आने वाली हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाए। किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर चौकी इंचार्ज संजय यादव व राहुल यादव सहित सभी स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे। डीएसपी विद्यानंद ने सीबीएसई तथा हरियाणा बोर्ड की ओर से संचालित परीक्षाओं के परीक्षा केंद्रों का भी निरीक्षण किया तथा परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त पुलिस स्टाफ को मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। डीएसपी ने भाकली, कोसली, श्याम नगर, झाड़ौदा, नेहरूगढ़ व नाहड़ के परीक्षा केंद्रों का दौरा किया।

रेवाड़ी। नाहड़ पुलिस चौकी में रजिस्टर चैक करते डीएसपी।

शिविर छात्राओं ने एनएसएस लक्ष्य गीत, शिव तांडव नृत्य, कविता, साइबर सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक की दी प्रस्तुति

स्वयंसेविकाओं को राष्ट्र प्रेम के प्रति किया जागरूक

■ गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज का एनएसएस कैंप शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय की दो राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों की ओर से सोमवार को कॉलेज प्रांगण में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। कॉलेज प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने एनएसएस कैंप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्राचार्या ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्र प्रेम के प्रति जागरूक किया तथा सेवा भाव रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्वयंसेविकाओं से सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें एक आदर्श समाज बनाना है तो स्वयं आदर्श नागरिक बनना पड़ेगा। पदोन्नत प्राचार्य राजवीर सिंह ने भी स्वयंसेविकाओं को प्रोत्साहित किया। एनएसएस सलाहकार डा. सुनीता ने एनएसएस के महत्व को रेखांकित किया तथा स्वयंसेविकाओं को समाज में फैल रही कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. स्वाति ने मंच संचालन किया तथा डा. अनीता रानी व डा. रजनी विशेष रूप से उपस्थित थी। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. मोनिका ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की अनुमति से सात दिवसीय कैंप का आयोजन राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढालियावास में किया जा रहा है। कैंप के दौरान स्वयंसेविकाएं तहत विभिन्न सामाजिक सरोकार के तहत ग्रामीणों को जागरूक करेंगी। कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। छात्रा तानिया ने एनएसएस लक्ष्य गीत, निकिता ने शिव तांडव नृत्य, विधि ने एनएसएस कविता व कोमल ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। निक्की की टीम ने साइबर सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। प्राचार्या डॉ ज्योति यादव व स्टाफ सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। स्वयंसेविकाओं के लिए मेडिटेशन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्या ने छात्राओं को मेडिटेशन कराया तथा मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विशेष टिप्स दिए। प्राचार्या ने स्वयं सेविकाओं को कैंप के लिए हरी झंडी दिखाकर राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढालियावास के लिए रवाना किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

रेवाड़ी। छात्राओं को ढालियावास स्कूल के लिए रवाना करती प्राचार्या। फोटो :हरिभूमि

भटेडा में मूर्ति स्थापना पर भंडारा व रागनी कंपीटिशन आज

रेवाड़ी। जिले के गांव भटेडा में 4 मार्च को बाबा लहरीनाथ की मूर्ति स्थापना पर भंडारा व रागनी कंपीटिशन का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण लालसिंह ने बताया की जोहड़ी वाले मंदिर में रहने वाले बाबा ने 100 साल से ज्यादा उम्र में पिछले साल पहले 4 मार्च को अपनी देह त्याग दी थी, उनकी स्मृति में ही इस दिन उनकी मूर्ति मंदिर में स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्यातिथि जिला पार्षद प्रतिनिधी भूपेंद्र सिंह मूंदी व शिवकुमार शर्मा रोलियावास होंगे। रागनी कंपीटिशन के मुख्य कलाकार महाशय लालसिंह, सुनील गामड़ी, खजान सिंह चौहान, गीता चौधरी, काजल सिंह व अमीषा चौहान होंगे।

सहेली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता। ❀

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए
पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है। ❀

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें। ❀

सलाह

संध्या सिंह

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी
बनें डिजिटल एक्सपर्ट

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलांए सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है। ❀

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। ❀

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

महेंद्रगढ़। कनीना-महेंद्रगढ़ रेल मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार जीआरपी पुलिस को सूचना मिली थी महेंद्रगढ़-कनीना रेल मार्ग के मध्य किलोमीटर नंबर 127/07-127/ 09 पर गांव बवानिया निवासी अंकित की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के मोर्चरी गृह में रखवाया गया। इसके बाद पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

श्याम कॉलोनी में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को श्याम कॉलोनी गली नंबर एक स्टेडियम के सामने मनीष अग्रवाल के निवास स्थान पर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। मंडल के सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड के बाद भजनों का दौर होगा। जिसमें शहर के गायक कलाकार भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे।

महाविद्यालय अटेली में नशा मुक्ति रैली निकाली

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली में सात दिवसीय एनएनएस शिविर के चौथे उनिंदा में नशा मुक्ति रैली द्वारा एवं ग्राम चौपाल पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली को रिटायर्ड डीएसपी गुगन राम यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजकीय महाविद्यालय अटेली के रेड रिबन क्लब के प्रभारी डॉ. अनिल कालिया ने स्वयंसेवकों से एचआईवी एड्स पर भ्रांतियों, लक्षण, बचाव पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक एचआईवी एड्स के विषय में टोल फ्री 1097 पर कॉल करके अब जानकारी ले सकता है, जिसकी जानकारी गुप्त रखी जाती है।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी गतिविधियों का हुआ आयोजन, चालीस विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- प्रश्नोत्तरी में वंदना तथा भाषण व काव्य पाठ प्रतियोगिता में फिजिक्स विभाग से छात्रा ज्योति बनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में हिंदी विभाग, छात्र कल्याण विभाग एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी क्लब की ओर से सोमवार को प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयाम से संबंधित रहा, जबकि भाषण एवं काव्य पाठ के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक मुद्दों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की संयोजिका डा. मीरा बांबा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के संबंध में विश्वविद्यालय अनुसंधान आयोग की ओर से छात्र सारथी नियुक्त किए गए हैं, जिनका उद्देश्य इस शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार करना और इसके क्रियान्वयन को सरल बनाते हुए इसके विभिन्न प्रावधानों से आमजन को अवगत कराना है।

रेवाड़ी। विजेता छात्रा को पुरस्कृत करते हुए प्रोफेसर। व कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर व विद्यार्थी। फोटो हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रोफेसर तेज सिंह एवं प्रोफेसर आदिति शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग से सहायक प्रोफेसर डा. जागीर नागर ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर दीपक गुप्ता, डा. ममता अग्रवाल, डा. समृद्धि, डा. मंजू पुरी, डा. मेघा, डा. प्रियंका, डा.अनीता यादव, डा. सरला यादव, शिक्षा नीति सारथी में गणित विभाग से पूजा यादव एवं प्रबंधन विभाग से नेहा सोलंकी सहित वाणिज्य विभाग से भावना, भारती, विपिन एवं नेहा सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के विजेता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिंदी विभाग से वंदना ने प्रथम स्थान, विधि विभाग से कंवर सिंह ने द्वितीय स्थान और सोशल वर्क विभाग से राम अवतार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता में फिजिक्स विभाग से छात्रा ज्योति ने प्रथम स्थान, हिंदी विभाग से छात्र लकी ने दूसरा स्थान, जबकि विधि विभाग से छात्रा राधिका एवं छात्र कंवर सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अन्य। फोटो :हरिभूमि

गुलाल से होली खेलकर पानी बचाने की अपील की

- देवभूमि उत्तराखंड समाज समिति का होली मिलन आयोजित
- बच्चों व महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

नंदरामपुरबास रोड स्थित केडीएम पब्लिक स्कूल में देवभूमि उत्तराखंड समाज समिति धारूहेड़ा की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर बच्चों व महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। विधायक ने बच्चों को सम्मानित भी किया। गायक रोहित चौहान, सोनू, मंगल, हेमा, महता व माया ने भारतीय संस्कृति के गीत भी सुनाए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली ने सभी से गुलाल से होली खेलकर पानी बचाने की अपील की। कार्यक्रम में देवभूमि उत्तराखंड समिति के प्रधान जितेंद्र, उप प्रधान सुरेंद्र, मोहन, महासचिव कमल सिंह, कोषाध्यक्ष चंद्र व सुरेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे

दिल्ली में जंतर-मंतर पर होने वाले धरना-प्रदर्शन को लेकर बैठक 6 को

- 6 मार्च को नाहड़ में विशेष बैठक आयोजित की जाएगी
- बैठक में दिल्ली से अलाइंस अध्यक्ष पूर्व एडीजी सीआरपीएफ एचआर सिंह व महासचिव रणबीर सिंह मौजूद रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

नाहड़ ब्लॉक पूर्व अर्धसैनिक बल वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक सोमवार को आयोजित की गई, जिसमें 6 अप्रैल को दिल्ली में जंतर-मंतर पर होने वाले धरना-प्रदर्शन को लेकर चर्चा की गई। इस संबंध में 6 मार्च को नाहड़ में विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। एक्स पैरामिलट्री फोर्स वैलफेयर एशोसिएशन नाहड़ के अध्यक्ष वीरभान बडगुर्जर ने बताया कि बैठक में दिल्ली से अलाइंस अध्यक्ष पूर्व एडीजी सीआरपीएफ एचआर सिंह व महासचिव रणबीर सिंह मौजूद रहेंगे। बैठक में पूर्व अर्धसैनिकों की मांगों को लेकर 6 अप्रैल को दिल्ली में जंतर मंतर पर होने वाले धरना प्रदर्शन की योजना पर विचार विमर्श किया जाएगा।

रेवाड़ी। पूर्व अर्धसैनिक बल वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य बैठक करते हुए।

व्यापारियों की हड़ताल हुई खत्म

- लापता आढ़ती को लेकर ग्यारह दिन चल रहा था धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नई अनाज मंडी में चल रही व्यापारियों की हड़ताल का सोमवार को विधायक के आश्वासन के बाद समापन हो गया। व्यापारी 20 फरवरी से एक आढ़ती के अचानक लापता होने पर हड़ताल पर थे। अनाजमंडी सहित अन्य व्यापारियों का लापता व्यापारी पर करोड़ों रुपये बकाया हैं। सोमवार को भाजपा जिला प्रधान वंदना पोपली नई अनाजमंडी में धरना स्थल पर पहुंची और विधायक लक्ष्मण यादव के आग्रह पर व्यापारियों से बात करके 11 दिन से चल रही हड़ताल का खत्म कराया। वंदना पोपली ने कहा कि अनाजमंडी में जल्द फसल खरीद का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में किसानों के हितों के लिए व्यापारियों को हड़ताल को खत्म करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार व्यापारियों के साथ है और पुलिस प्रशासन व्यापारी की तलाश करने में जुटा हुआ है। वंदना पोपली ने एसपी डा. मयंक गुप्ता से भी फोन पर बात की। उन्होंने व्यापारियों बताया कि लापता व्यापारी का फोन ट्रेसिंग पर हैं। जल्द ही व्यापारी को तलाश कर लाया जाएगा। नई अनाजमंडी व्यापार मंडल के प्रधान राधेश्याम मित्तल व पूर्व प्रधान अशोक यादव ने कि विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष के आग्रह पर किसानों के हित में हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया गया हैं। लापता व्यापारी के आने पर सभी के साथ बैठकर चर्चा की जाएगी।

रेवाड़ी। व्यापारियों को समझाते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली। फोटो हरिभूमि

भिवानी-जयपुर वाया रींगस स्पेशल रेलसेवा बंद होने से लोगों में रोष

ट्रेन के विस्तार की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

रेलवे की ओर से खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए चलाई गई भिवानी जयपुर वाया रींगस स्पेशल गाड़ी संख्या 09733/09734 को एक मार्च से अचानक बंद किए जाने के कारण क्षेत्र से खाटूधाम जाने वाले लोगों में रेल प्रशासन के प्रति भारी रोष है। लोगों का कहना है कि रेल प्रशासन की ओर से शुरू की गई इस गाड़ी को अचानक बंद किए जाने से अब फाल्गुन मेले में खाटू धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है। भिवानी,चरखी दादरी व कोसली क्षेत्र के लोग गाड़ी से रात को खाटूधाम पहुंच जाते थे तथा वापसी में अगले ही दिन सुबह आ जाते थे, लेकिन ट्रेन को बंद कर देने से इस रूट पर सीधे रींगस जाने के लिए एक मात्र भिवानी-ढेहर का बालाजी ट्रेन ही रह गई है। क्षेत्र के लोगों ने द्वादशी के मेले तक इस रेलसेवा के विस्तार करने की मांग की है। यह ट्रेन भिवानी से शाम 4:05 बजे चलकर वाया चरखी दादरी,कोसली, रेवाड़ी,अटेली, नारनौल व नीमका थाना होती हुई रींगस पहुंचती थी तथा वापसी में सुबह 7 बजे जयपुर से चलकर 8:15 बजे रींगस होती हुई 2:39 पर भिवानी पहुंचती थी,जोकि खाटू जाने वाले व वापस आने वाले यात्रियों के लिए बहुत अनुकूल थी।

उपायुक्त ने ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों में मुनादी कराने के दिए निर्देश

- शिविर में रखी गई अन्य शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

डीसी ने बुढ़ाना गांव में अवैध कब्जे हटाने, बिसोवा गांव में बिजली की लाइन स्थानांतरित करने, रेवाड़ी के नेताजी सुभाष चंद्र पार्क में साफ सफाई दुरुस्त करने के अलावा अन्य व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को जिले में ओलावृष्टि के कारण गांवों में फसलों के हुए नुकसान को लेकर मुनादी कराने के निर्देश दिए ताकि किसान समय रहते ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन कर सकें। समाधान शिविर में अधिकतर मामलों का मौके पर निपटारा कर किया गया।

उन्होंने अधिकारियों को शिविर में रखी गई अन्य शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में अवैध कब्जे, प्रॉपर्टी आईडी, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांग पेंशन व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई।

इस दौरान एडीसी अनुपमा अंजलि व सीटीएम प्रीति रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

रेवाड़ी। शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते डीसी व एडीसी। फोटो हरिभूमि

रेवाड़ी। विजेता को इलेक्ट्रिक स्कूटी भेंट करते हुए। फोटो :हरिभूमि

रियल एस्टेट ने निकाले लकी ड्रा, बावल के विकास को मिली इलेक्ट्रिक स्कूटी

रेवाड़ी। डी के रियल एस्टेट के ओर से सोमवार को लकी ड्रा में 1 लाख में 100 गज का प्लॉट निकाला गया, जोकि बालधन खुर्द निवासी मंजीत कुमार फौजी को मिला। कान्टेस्ट सीपी-5 के तहत निजी रेस्टोरेंट मॉडल टाउन में विजेताओं को गिफ्ट वितरित किए गए, जिसमें 4 एलईडी 32 इंच नरेश खोसा महेन्द्रगढ़, पवन यादव नीमराना, ममता झज्जर व जयभगवान गज्जीवास को गई। ड्रा में पहला गिफ्ट विकास जेलदार बावल को इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी, दूसरा गिफ्ट प्रवीण नांगल शहबाजपुर बावल को एलईडी 46 इंच, तीसरा गिफ्ट 5 जूसर मिक्सर, चौथा गिफ्ट 3 ऑटोमेटिक चूल्हे, पांचवां गिफ्ट 5 पंखे, 70 मापतोल मशीन,100 पानी की बोतल, 70 इलेक्ट्रॉनिक केतली, 200 पानी के जग व 100 मिनी जूसर मिक्सर दिए गए। रियल एस्टेट के डायरेक्टर डीके यादव व राकेश शर्मा ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर योगेन्द्र यादव, पवन, विनोद, संजय सुलखा, सोनू, विकास जेलदार, सविता, कीर्ति, उषा,सतपाल शर्मा, सोनू, रितिक, दीप, योगेश, पिंटा, प्रिया, रेखा, प्रकाश व पूजा शर्मा मौजूद थे।

मुहिम पंचायत का फैसला नहीं मानने वालों के सुख व दुख में कोई शामिल नहीं होगा

फैसला नहीं मानने पर सामाजिक रुप से किया जाएगा बहिष्कार

गुर्जर समाज की मुहिम हुई तेज, संगवाड़ी पंचायत में लिए 11 फैसले, निगरानी कमेटी भी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में जनप्रतिनिधियों व गुर्जर समाज के लोगों की ओर से चलाई जा रही मुहिम लगातार रफ्तार पकड़ रही है। सोमवार को गांव संगवाड़ी की पंचायत ने सतप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में बैठक कर समाज सुधार को लेकर 11 फैसले लिए गए, जिस पर निगरानी को लेकर सरपंच की अध्यक्षता में कमेटी का भी गठन किया गया। इस मौके पर गांव संगवाड़ी के सरपंच रामसिंह छावड़ी ने बताया कि समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से अहम फैसले लिए गए हैं। जो सभी लोगों पर लागू होंगे। इन फैसलों पर निगरानी के लिए एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसका अध्यक्ष गांव का सरपंच होगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इन निर्णयों को यथावत बनाए रखने के लिए कमेटी निरंतर कार्य करेगी, जिसका अध्यक्ष जो भी गांव का सरपंच होगा, वहीं रहेगा।

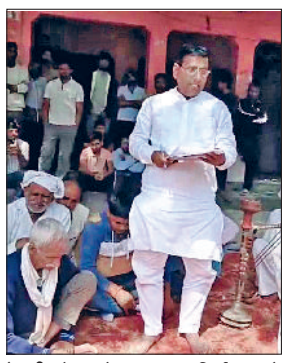

रेवाड़ी। बैठक में पंचायत का निर्णय बताते हुए सरपंच रामसिंह। फोटो :हरिभूमि

कमेटी में इन लोगों को किया शामिल

गठित की गई कमेटी में सरपंच रामसिंह छावड़ी को अध्यक्ष, महिपाल, रामरतन पूर्व पंच, जगत सिंह नंबरदार, रोहताश, पूर्व सरपंच दीपक शर्मा, पूर्व सरपंच निहाल सिंह नंबरदार, नंदलाल पूर्व पंच, कप्तान रामरतन, डा. रामपाल, हनुमान पूर्व पंच, सोमदत्त, लालचंद नंबरदार, यादराम, सूबे सिंह नंबरदार, राजकुमार, प्यारेलाल पूर्व तहसीलदार, प्रकाश साहब, लेखराम, संजीव कुमार, सतीश लाला, नरेश पूर्व पंच, शेर सिंह रावत पूर्व पंच, डा. रवि, रामस्वरुप स्वामी, राजपाल स्वामी, मनोज सैन, हरिओम सैन, शेरसिंह भगत, रमेश रोहिल्ला व श्रीचंद को शामिल किया गया है। इस मौके पर गांव के काफी संख्या में गणमान्य लोग व ग्रामीण मौजूद थे।

बैठक में लिए गए फैसले

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डीजे पर पूर्ण रूप से पाबंदी रहेगी और भात न्योतने के लिए आने व जाने वाली बहन-बेटियों की संख्या 21 से अधिक नहीं होगी, किसी भी कार्यक्रम में बर्तन नहीं बांटे जाएंगे, छूछक लेना व देना बिल्कुल बंद रहेगा, लड़की को रोकने के लिए आने-जाने वाले लोगों की संख्या 11 रहेगी, शादी में माला की राशि 5100 रुपये से अधिक नहीं होगी, शादियों में शराब का बार बिल्कुल भी नहीं लगाया जाएगा, 30 अप्रैल के बाद शराब का ठेका भी गांव की सीमा में नहीं रहेगा, किसी भी कार्यक्रम में आने या जाने वाले नाई को 5100 रुपये से अधिक नहीं दिया जाएगा, खुशियों के मौके पर पहुंचने वाले किन्नरों को 2100 रुपये की राशि से अधिक नहीं दिया जाएगा तथा यह भी निर्णय लिया गया कि गुर्जर बिरादरी में लग्न में नाई व ब्राह्मण जाएंगे तथा गांव में नाई व ब्राह्मण ही बुलाएं जाएंगे। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया है कि पंचायत का फैसला नहीं मानने वालों के सुख व दुख में कोई शामिल नहीं होगा तथा उनका सामाजिक रुप से बहिष्कार किया जाएगा।

नारनौल। कार्यक्रम का शुभारंभ करते अमित शर्मा। फोटो :हरिभूमि

छात्र जीवन में की गई मेहतन व्यक्ति को ले जाती है सफलता की ओर : अमित शर्मा

नारनौल। छात्र जीवन में की गई मेहनत व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाती है। छात्र छात्राएं जीवन में मेहनत करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त उदगार जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने राजकीय महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों यूनिट द्वारा बुद्धो माता मदिर परिसर में संचालित एनएसएस सात दिवसीय कैंम्प में पांचवे दिन मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इस दौरान अमित कुमार शर्मा ने कहा कि एनएसएस कैम्पों का उददेश्य यही है कि छात्र छात्राएं समाज में फैली बुराईयों के खातमें में अपना अहम योगदान दें। सामाजिक गतिविधियों में सफाई व्यवस्था, स्वास्थय कैम्पों का आयोजन, दहेज के विरूद्ध अभियान, नशा विरूद्ध अभियान, बुजुर्गों का सम्मान जैसे कार्यो में अपनी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। अमित शर्मा ने विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी छात्र छात्राओं को दी। इससे पूर्व श्री अमित शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके पांच दिवसीय कैम्प का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पार्षद कांशीराम ने भी बच्चों को अपना सामाजिक संदेश दिया। छात्राओं ने बढ़ते साईबर क्राईम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए बुद्धो माता मंदिर से प्राचीन हनुमान मंदिर तक एक रैली भी निकाली गई।

खबर संक्षेप

सरकारी अस्पताल में दवाई लेने गया व्यक्ति लापता

रेवाड़ी। सरकारी अस्पताल में दवाई लेने गया व्यक्ति लापता हो गया। नई बस्ती निवासी गगन सरीन ने गोकल गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गोकल बाजार में सब्जी की रेहड़ी लगाता है तथा उसके पिता जसवंत सिंह उर्फ नत्थू रेलवे रोड स्थित वैरायटी स्टोर पर काम करते है। 1 मार्च को उसके पिता सरकारी अस्पताल रेवाडी से दवाई लेने की कहकर गए थे। सरकारी अस्पताल से पता करने पर उनकी सुबह 10:40 बजे पर्ची भी कटी हुई है। उसने काफी देर तक अपने पिता की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है।

रेलवे रोड पर स्कॉरपियों की टक्कर से व्यक्ति घायल

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन से घर जा रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार स्कॉरपियों ने टक्कर मार दी, जिससे व्यक्ति को काफी चोटें आई। गांव कुलताजपुर रोड़ नारनौल जिला महेन्द्रगढ निवासी उमाराम ने गोकल गेट चौकी पुलिस को बताया कि वह 28 फरवरी को गुजरात से ट्रेन में रेलवे स्टेशन आया था। वह रेलवे स्टेशन अपने घर जाने के लिए पैदल बाहर आया तो रात करीब 8:40 बजे एक तेज रफ्तार स्कॉरपियों ने उसे पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसे काफी चोटें आई। स्कॉरपियों चालक उसे गाड़ी में बैठाकर ट्रामा सेंटर छोड़कर चला गया।

एसपी बोले सभी पुलिस कर्मचारी जीरो टॉलरेंस पर नेक नियति व ईमानदारी से काम करें

पुलिस लाइन में जवानों की परेड का आयोजन सराहनीय कार्य करने पर पुलिसकर्मी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली रोड स्थित पुलिस लाइन में सोमवार को जवानों की परेड का आयोजन किया गया। एसपी डा. मयंक गुप्ता ने परेड की सलामी ली। जवानों ने शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए दौड़ भी लगाई। इस अवसर पर डी ए स पी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह, डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण व डीएसपी कोसली विद्यानंद सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। परेड सभी थाना प्रभारी व चौकी इंचार्ज सहित पुलिस के सभी जवानों ने हिस्सा लिया। एसपी डा. मयंक गुप्ता ने परेड के दौरान डायल 112, पीसीआर, राइडर व अन्य वाहनों का निरीक्षण कर जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसपी ने सराहनीय काम करने वाले 12 कर्मचारियों को 11 हजार रुपये का नकद इनाम व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

■ भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा

रेवाड़ी। जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते एसपी डा. मयंक गुप्ता और सराहनीय कार्य करने पर सम्मानित करते एसपी। फोटो: हरिभूमि

परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखें: एसपी : एसपी डा. मयंक गुप्ता ने कहा कि सभी जवान नाकाबंदी के दौरान वाहनों की गहनता से जांच करें। पुलिस के जवान नाकों पर हथियार, वाकी टाकी सैट व अन्य आधुनिक उपकरणों सहित तैनात रहे। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों, बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों, बुलेट पटाखा फोड़ने वालों व ध्वनि प्रदूषण कर हुड़दंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। बोर्ड की परीक्षा के चलते परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखें। परीक्षा केंद्र से 500 मीटर की दूरी पर प्रवेश प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून व शांति व्यवस्था को कायम रखने के लिए पुख्ता बंदोबस्त करें। रात्रि के समय डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण करने वालों से भी सख्ती से निपटा जाए। थाने में आने वाले सभी आमजन व पीड़ति से अच्छा व्यवहार करें। अच्छा कार्य करने वाले प्रत्येक पुलिस कर्मचारी को सम्मानित किया जाएगा और लापरवाही करने वाले कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा, सभी जीरो टॉलरेंस पर नेक नियति व ईमानदारी से काम करें। एसपी ने पुलिस लाइन में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनीं तथा साफ सफाई रखने के निर्देश दिए।

इन पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

थाना धारूहेड़ा के होमगार्ड नरेश, धर्मेन्द्र व चालक अजय को धारूहेड़ा भगत सिंह चौक पर एक ऑटो में चोरी के सामान सहित आरोपी को काबू करने पर 2 हजार रुपये का नकद इनाम व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। थाना धारूहेड़ा में राइडर नंबर-4 के होमगार्ड विपिन व नरेश को चोरी की बाइक सहित आरोपी को काबू करने पर 2 हजार रुपये का नकद इनाम व प्रशंसा पत्र दिया गया। सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाने में राइडर नंबर-21 के सिपाही तिलकराज व एसपीओ चन्द्रपाल को फरीदाबाद से चोरी की गई बाइक सहित आरोपी को काबू करने पर 2 हजार रुपये का नकद इनाम व प्रशंसा पत्र दिया गया। राइडर ड्यूटी के दौरान वाहन चेकिंग में सराहनीय काम करने पर प्रथम रहे सिपाही राहुल को 5 हजार रुपये का नकद इनाम व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। राइडर ड्यूटी में द्वितीय स्थान पर रहे सिपाही तिलकराज व तृतीय स्थान पर रहे सिपाही अमित को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। ईआरवी ड्यूटी में सराहनीय काम करने पर ईएएसआई शेरसिंह व सिपाही लीलाराम को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आजाद हिंद फौज स्वतंत्रता सेनानी संगठन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। आजाद हिंद फौज स्वतंत्रता सेनानी संगठन ने सदस्यों ने सोमवार को मांगों को लेकर डीसी अभिषेक मीणा को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रधान प्यारेलाल जाहिदपुर ने सरकार से नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, गांव के मेन रास्तों व सड़कों पर स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से मुख्य द्वार बनवाने, स्वतन्त्रता सेनानियों के परिवारों को राज्य सरकार की नोकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को गैस एजेंसी सीएनजी, पेट्रोल पंप व शहर में प्लाटों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को राज्य स्तर पर फ्री इलाज व बसों में फ्री यात्रा सुविधा देने, स्वतंत्रता सेनानियों की दूसरी पीढी की पेंशन बनाने, स्वतन्त्रता सेनानियों की पड़पोतियों की शादी में कन्यादान स्कीम लागू करने, स्वतन्त्रता सेनानियों के परिवारों को राज्य परिवार घोषित करने तथा संगठन अध्यक्ष की तरह स्वतन्त्रता सेनानी परिवार संगठन बनाने की मांग की।संगठन के सलाहकार बाबू सहीराम व राजेन्द्र सिंह, संरक्षक डा. फतेह सिंह व कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश संगठन के अनेक सदस्य मौजूद थे।

■ स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को राज्य स्तर पर फ्री इलाज व बसों में फ्री यात्रा सुविधा देने की मांग

आसमान साफ होते ही चढ़ने लगा पारा

रात के तापमान में गिरावट से राहत

रेवाड़ी। सोमवार सायं आसमान में छाए आंशिक बादल और एक खेत में पकाव की ओर अग्रसर गेहूं की फसल। फोटो: हरिभूमि

■ सप्ताह के अंत तक मौसम साफ रहने की संभावना, दिन के तापमान और वृद्धि होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दो दिन से आसमान साफ रहने के कारण दिन का तापमान एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। इससे दिन के समय सर्दी का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। रात का तापमान गिरने से सुबह के समय ठंड का असर अभी भी देखने को मिल रहा है। सप्ताह के अंत तक मौसम साफ बना रहने की संभावना है। इसके बाद अगले सप्ताह एक बार फिर मौसम में परिवर्तन देखने को मिल सकता है। सोमवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह साफ रहा। दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छा गए। अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 29.5 डिग्री पर पहुंच गया। रात का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 9.0 पर आ गया, जिससे सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहा।

दिन में 13 से 15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं, जबकि हवा में नमी का स्तर 55 फीसदी तक रहा। इस समय ठंड की विदाई शुरू हो गई है। हाल ही में कुछ इलाकों में हुई ओलावृष्टि के कारण रात का तापमान गिरा है। इससे रात के समय ठंड का असर अभी कुछ दिनों तक और बना रह सकता है। दिन के समय मौसम गर्म होना शुरू हो जाएगा। ठंडे कपड़ों से जल्द छुटकारा मिल जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह मौसम साफ रहने की संभावना है, जबकि आने वाले सप्ताह में मौसम एक बार फिर बदल सकता है। तापमान में उतार-चढ़ाव लगातार देखने को मिल सकता है।

सरसों की कटाई ने जोर पकड़ा

मौसम साफ होते ही किसानों ने सरसों की कटाई का कार्य तेज कर दिया है। किसान मौसम खराब होने की आशंका से जल्द से जल्द सरसों की कटाई करना चाहते हैं। इस समय किसानों को श्रमिकों की कमी भी खलने लगी है। अगते फसल पककर तैयार हो रही है। दूसरी ओर मौसम में बदलाव से गेहूं की फसल का अच्छा पकाव होने की संभावना बन गई है। गेहूं भी दाना बनना शुरू हो गया है।

श्याम निशान लेकर श्रद्धालु खाटूधाम के लिए हुए रवाना

रेवाड़ी। निशान लेकर खाटूधाम रवाना होते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। जिले के गांव जैतपुर-शेखपुर से सोमवार को बाबा खाटूश्याम के लिए पैदल निशान पद यात्रा रवाना हुई। श्रद्धालु गांव के शिव मंदिर से शीश के दानी की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाणधारी की जय व खाटू नरेश की जय के जयकारे लगाते हुए हाथों में श्याम निशान लेकर नैनन में श्याम समाय ग्यो, मुझे प्रेम का रोग लगाय ग्यो भजन की धुन पर थिरकते हुए रवाना हुए। श्री श्याम पदयात्रा की सदस्य उर्मिला ने बताया कि गांव जैतपुर से यह 25वीं पदयात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा 7 मार्च को खाटूधाम पहुंचेगी। यात्रा में गांव जैतपुर के अलावा अलामुद्दीनपुर व गिंदोखर के भी श्रद्धालु शामिल है। गांव जैतपुर के सरपंच लोकेश कुमार उर्फ रिंकू ठेकेदार ने सभी को श्याम पटका भेंट किया। पदयात्रा में गांव जैतपुर से पूनम देवी, सिया कुमारी, निर्मला देवी, प्रवीण, पंच शशि कांता, पंच योगेश शर्मा, कृष्णा, सुरेश देवी, मीनू, पूनम, सुनीता, ग्राम गिंदोखर से सुनील देवी, नरेश देवी, सरोज देवी व लक्षिका सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी, बावल व कोसली कोर्ट परिसर में 8 को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 8 मार्च को रेवाड़ी न्यायिक परिसर सहित बावल व कोसली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व स्थाई लोक अदालत में 6 मार्च को तथा उपभोक्ता न्यायालय में 7 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केस का निपटारा करा सकते हैं। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है।

रेवाड़ी। सीजेएम अमित वर्मा।

शांति निकेतन आश्रम में भंडारा तथा मेला आज

नाहड़। खंड नाहड़ के गांव गुर्जरवास स्थित शांति निकेतन आश्रम में बाबा धर्मानंद सरस्वती महाराज की याद में 4 मार्च को भंडारे तथा मेले का आयोजन किया जाएगा।

गांव के सरपंच कृष्ण कुमार तथा स्वामी धर्मानंद सरस्वती कमेटी प्रधान हरीश नंबरदार ने बताया कि 3 मार्च से अखंड रामायण का पाठ किया जा रहा है, जोकि 4 मार्च को समाप्त हो जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

जांगिड़ ब्राह्मण सभा के ब्लॉक अध्यक्षों के हुए नामांकन

■ विश्वकर्मा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सुबह 9 से 2 बजे तक नामांकन प्रक्रिया चली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जांगिड़ ब्राह्मण सभा की ओर से जिले के ब्लॉक अध्यक्षों के निर्वाचन के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। जिला मीडिया प्रभारी मुकेश जांगड़ा ने बताया कि विश्वकर्मा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सुबह 9 से 2 बजे तक नामांकन प्रक्रिया चली। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच करके प्रत्याशियों की सूची जारी की गई। 3 बजे से 4 बजे तक नाम वापस लिए गए तथा इसके बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसमें केवल सात फार्म सही पाए गए। ब्लॉक बावल से 4 उम्मीदवार व रेवाड़ी से दो उम्मीदवार सही पाया गया। ब्लॉक खोल से केवल एक उम्मीदवार सही पाया, जिसे खोल ब्लॉक प्रधान घोषित कर दिया गया। ब्लॉक बावल से राजेंद्र सिंह को अलमारी, राम अवतार को किताब, शिवचरण को छाता, सूबे सिंह को ताला चाबी तथा रेवाड़ी ब्लॉक से अशोक कुमार को पतंग व लक्ष्मी नारायण को गिलास का चुनाव चिह्न दिया गया। चुनाव अधिकारी होशियार सिंह के नेतृत्व में टीम ने खोल ब्लॉक से सुरेश कुमार, ओम प्रकाश, सत्यनारायण, जाटूसाना से नवीन, डहीना ब्लॉक से कैलाश चंद व नाहड़ ब्लॉक से बाबूलाल के फॉर्म को नियमानुसार रद किया।

रेवाड़ी। चुनाव प्रक्रिया पूरी करते हुए चुनाव अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। बच्चों को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

जिला स्तरीय स्पेल बी स्पर्धा में स्थान पाने वाले बच्चे सम्मानित

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल पठानी के कक्षा छठी से निशांत और कक्षा सातवीं से परी ने जिला स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रभारी सीमा कुमारी व स्टाफ सदस्यों ने विजेता छात्रों को सम्मानित किया। विद्यालय प्रभारी सीमा कुमारी ने बताया कि जाटूसाना खंड स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता में विद्यालय के आठ बच्चों ने भाग लिया, जिसमें से चार बच्चों ने प्रथम और तीन बच्चों में द्वितीय स्थान हासिल किया था।

प्रकृति के साथ संतुलन बनाना जरूरी है

पशु-पक्षियों का संरक्षण आवश्यक: राव नरबीर

■ विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस के अवसर पर झाबुआ वन्य क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के लिए पशु-पक्षियों का संरक्षण आवश्यक है। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह सोमवार को विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस के अवसर पर बावल उपमंडल के गांव झाबुआ में मोर व चिंकारा प्रजनन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रजनन केंद में ब्रीडिंग सेंटर से नर व मादा मोर भी छोड़े। करीब 748 एकड़ के आरक्षित वन क्षेत्र में चिंकारा, मोर, हिरण के अतिरिक्त अन्य पशु-पक्षियों को संरक्षित किया जाता हैं। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने लोगों से आह्वान किया कि सभी को वन्य जीव संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। वन एवं वन्य जीव विभाग इनके संरक्षण के लिए प्रदेश के कई जिलों में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला में जंगल सफारी परियोजना की रूपरेखा बनाई गई है, जिसमें वन्य जीव संरक्षण का कार्य भी होगा और लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बनेंगे। सरकार वन्य जीवों की विलुप्त होती प्रजातियों का संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इनकी सुरक्षा में प्रत्येक नागरिक को भी अपना हर संभव सहयोग देना चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम उदय सिंह, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान, पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ डा. विवेक सक्सेना, पीसीसीएफ एवं एचएफडीसी के एमडी केसी मीणा, डब्ल्यूएफएफ निदेशक यश सेतिया, डा. अनित दया भट्टाचार्या, सुभाष यादव, प्रवक्ता हरेन्द्र, झाबुआ सरपंच मुकेश कुमार व सतपाल थानेदार सहित विभिन्न गांवों के सरपंच उपस्थित थे।

रेवाड़ी। प्रजनन केंद्र में मोर छोड़ते हुए राव नरबीर सिंह और कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते राव नरबीर सिंह।

विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से बताया वन्यजीवों का महत्व

रेवाड़ी। पटौदी रोड स्थित यदुवंशी स्कूल में विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों व विद्यार्थियों सहित अनेक गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य ने वन्यजीवों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वन्य जीव हमारे स्थिति की तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके बिना हमारा जीवन असंतुलित हो जाएगा। इसलिए सभी को वन जीवन के संरक्षण के लिए काम करना चाहिए। छात्रों ने वन्यजीवों में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें वन्यजीवों के महत्व और संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाया गया। प्रधानाचार्य ने वन्यजीवों के संरक्षण के लिए काम करने वाले छात्रों और शिक्षकों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में डीन मुकेश यादव व चेयरमैन राव बहादुर सिंह मौजूद थे।